• कविता...

अपना पाठ सुनाओ

हुआ सवेरा ची ची करते
नन्हे पंछी बोले –
उठ जा गुड्डू, मुन्नू , पप्पू
अपना मुखड़ा धो ले॥
सूरज की किरणों ने तब
अपना घूंघट सरकाया।
हंस कर बोली भैया अब
खाने का नंबर आया॥
इठला कर तब कहा हवा ने
बस्ता चलो उठाओ।
खोल किताबें पढ़ने बैठो
अपना पाठ सुनाओ॥

■ रंजना वर्मा

अच्छे दाम?

खाली पेट, चाहता रोटी,
भरा पेट आराम।
किंतु बात यह सच है भाई,
हाथ चाहता काम।
लगे रहे अनवरत काम में,
उन्हें मिला है नाम।
श्रम के सीकर रंग बिरंगे,
बाकी काले श्याम।
मन में द्वेष भावना लेकर,
करो सड़क मत जाम।
पेड़ों की संख्या में क्या है,
मतलब तो है आम।
सही आंकलन भले बुरे का!
हमीं रहे नाकाम।
फल उसमें भी लगे रहे हैं,
क्यों खजूर बदनाम।
छोटे बड़े काम सब अच्छे,
रखो काम से काम।
श्रद्धा निष्ठा, कठिन परिश्रम,
देते अच्छे दाम।

■ प्रभुदयाल श्रीवास्तव

• चुटकुला...

पत्नि खाना पकाते–पकाते..
(हाथ में बैलन उठाते हुए)
पत्नी–आज आप दो खायेंगे या तीन?
पति : तुम पराठा या रोटी ऐसा क्लियर कट बोल...
गलतफहमी पैदा होती है!

विदेश यात्रा से लौटकर आये संता ने अपनी बीवी से पूछा– क्या मैं विदेशी जैसा दिखता हूं?
बीवी– नहीं तो
संता– तो फिर लन्दन में एक औरत क्यों पूछ रही थी कि मैं विदेशी हूं।

• जानकारी...

दुनिया की सबसे पुरानी गुफा

दुनिया में कुछ ऐसी गुफाएं हैं, जो प्राकृतिक बनावट से काफी ज्यादा हैं। वे मानव इतिहास और अस्तित्व के जीवन से हजारों और यहां तक की लाखों साल पुरानी हैं। आइए जानते हैं दुनिया की कुछ सबसे पुरानी गुफाओं के बारे में...

लेआंग करम्प्युंग गुफा, इंडोनेशिया–दुनिया की सबसे पुरानी गुफा चित्रकला का खिताब फिलहाल इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर लेआंग करम्प्युंग गुफा को मिला हुआ है। 2024 में हुए एक शोध में ऐसी पेंटिंग का पता चला है जो कम से कम 51200 साल पुरानी है। यह कलाकृति एक जंगली सूअर को तीन इंसानों जैसी आकृतियां के साथ बातचीत करते हुए दिखाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे पता चलता है कि इंसान 50000 साल से भी पहले कहानी कहने में सक्षम थे। पेंटिंग की उम्र पता लगाने के लिए लेजर आधारित यूरेनियम सीरीज टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया।

माल्ट्राविएसो गुफा, स्पेन –स्पेन के इस गुफा में वैज्ञानिकों ने लगभग 64,000 साल पुराने लाल हाथ के स्टैंसिल खोजे हैं। ये यूरोप में आधुनिक इंसानों के आने से भी पुराने हैं। इसका मतलब है कि यह कलाकृति निएंडरथल ने बनाई थी, जिससे लंबे समय से चली आ रही धारणा गलत साबित होती है कि सिर्फ होमो सेपियंस ही प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में सक्षम थे।

थेलम गुफा, दक्षिण अफ्रीका –अगर सबसे पुरानी गुफा को कला के बजाय मानव इस्तेमाल से मापा जाए तो दक्षिण अफ्रीका की यह गुफा बेजोड़ है। पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि शुरुआती मानव पूर्वज लगभग 20 साल पहले यहां पर रहते थे। गुफा के अंदर गहराई में होमो हैबिलिस से जुड़े हुए पत्थर के औजार मिले हैं। इससे भी चौंकाने वाली बात यह है कि लगभग 10 साल पहले नियंत्रित आग के इस्तेमाल की खोज हुई है, इस वजह से यह गुफा इंसानों द्वारा आज के इस्तेमाल की सबसे शुरुआती ज्ञात स्थलों में से एक बन चुकी है।

भीमबेटका गुफाएं, भारत–मध्य प्रदेश में भारत के भीमबेटका रॉक शेल्टर मानव इतिहास का एक और रत्न है। इन गुफाओं में करीब 30000 साल से ज्यादा पुरानी पेंटिंग्स है। इनमें शिकार के सीन, जानवर, डांस और रोजाना की जिंदगी को दिखाया गया है। आपको बता दें कि यह जगह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट बन चुकी है। कुछ गुफाएं इंसानी गतिविधि के लिए नहीं, बल्कि अपनी भू वैज्ञानिक उम्र के लिए खास हैं। ऑस्ट्रेलिया की जेनोलेन गुफा को दुनिया की सबसे पुराना ज्ञात खुली गुफा सिस्टम माना जाता है। यह लगभग 340 मिलियन साल पहले बनी थी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की सुडवाला गुफाएं हैं जिनकी चट्टानें 2.8 बिलियन साल पुरानी है।

चांद की परी और सरगम की उड़ान

गतांक से आगे...

तीरम ने कहा, 'यह झील करुणा की शक्ति दिखाती है। अगर तुम किसी दुख को महसूस कर सको... तो झील तुम्हें उसका समाधान भी दिखा देगी।'

सरगम ने पानी में देखा–एक छोटा पक्षी घायल था और उड़ नहीं पा रहा था। वह दुखी हो गई। जैसे ही उसके मन में करुणा उठी, पानी चमक उठाज और झील के किनारे एक नीली जड़ी-बूटी उग आई। सरगम ने उस नीली बूटी को लिया और पक्षी के पास ले गयी और देखो! चमत्कार हो गया और अचानक वह पक्षी ठीक होकर उड़ने लगा।

'वाह!' उसने कहा। 'तो दिल की दया भी जादू बन सकती है!'

इसके बाद वे एक पहाड़ के पास पहुँचे। वहाँ हवा में तैरती हुई पारदर्शी सीढ़ियाँ थीं–जो सिर्फ उसी समय दिखाई देतीं, जब कोई अपने आप पर विश्वास करता।

पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही सरगम थोड़ा घबरा गई।

'अगर मैं गिर गई तो?' उसने सोचा।

तभी उसे इंद्रधनुष का नीला रंग याद आया– गहराई और विश्वास।

उसने साहस और विश्वास के साथ अगली सीढ़ी पर कदम रखा।

सीढ़ियाँ चमक उठीं और एक रास्ता बन गया।

और आखिर में, वह पहाड़ की चोटी पर पहुँची–जहाँ चाँद की परी उसका इंतजार कर रही थी।

परी ने मुस्कुराकर कहा,

'सरगम, तुमने खुद को साबित कर दिया है। अब मैं तुम्हें एक उपहार देती हूँ–'

उसने अपनी चाँदी की छड़ी घुमाई, और सरगम के हाथों में एक छोटी-सी चमकदार किताब उभरी।

'यह ज्ञान की किताब है। इसमें ऐसे जादुई गीत हैं, कहानियां हैं जो तुम्हारे मन को विशाल बनाएंगे और अच्छे गुणों से भर देंगे।'

परी ने सरगम को प्यार किया और उसे चुपके से उसके बिस्तर पर छोड़ गई।

–समाप्त

■ कर्मजीत सिंह गठवाला

सरगम ने पानी में देखा–एक छोटा पक्षी घायल था और उड़ नहीं पा रहा था। वह दुखी हो गई। जैसे ही उसके मन में करुणा उठी, पानी चमक उठाज और झील के किनारे एक नीली जड़ी–बूटी उग आई।

सरगम ने उस नीली बूटी को लिया और पक्षी के पास ले गयी और देखो! चमत्कार हो गया और अचानक वह पक्षी ठीक होकर उड़ने लगा। 'वाह!' उसने कहा। 'तो दिल की दया भी जादू बन सकती है!'

• रोचक...

विंटेज कार

दुनिया में एक ऐसा देश है जहां पर विंटेज कारें म्यूजियम की चीज या फिर वीकेंड का शौक नहीं है, बल्कि यह रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं। आइए जानते हैं एक ऐसे देश के बारे में जहां पर आज भी विंटेज गाड़ियां सड़कों पर दौड़ती हैं। क्यूबा में अनुमानित एक 60000 विंटेज अमेरिकी कारें हैं जो अभी भी चल रही है। बाकी देशों के उलट जहां पर क्लासिक गाड़ियों को प्रदर्शनियों या फिर लग्जरी कलेक्शन के लिए सहेज कर रखा जाता है, क्यूबा में इन गाड़ियों का इस्तेमाल रोजाना टैक्सियों, फैमिली गाड़ी और यहां तक की सरकारी ट्रांसपोर्ट के तौर पर किया जाता है। यहां पर दिखने वाली ज्यादातर विंटेज गाड़ियां 1940 और 1950 के दशक की हैं। शेवरले, फोर्ड, पोंटियाक, डॉज और स्टडबेकर जैसे ब्रांड सड़कों पर हावी हैं। यह गाड़ियां क्यूबा के आर्थिक अलगाव से पहले के दौर को दिखाती हैं।

• ताजमहल...

ताजमहल इंडो इस्लामिक, फारसी और तुर्की वास्तुकला शैलियों का एक दुर्लभ संगम है। इसके डिजाइन को शाहजहां के मुख्य वास्तुकार उस्ताद अहमद लाहौरी ने बनाया था। इसका केंद्रीय गुंबद लगभग 73 मीटर ऊंचा है जबकि चारों मीनारों को जानबूझकर थोड़ा बाहर की तरफ झुकाकर बनाया गया था। ऐसा इसलिए ताकि भूकंप के दौरान मकबरे की रक्षा की जा सके। पूरा मकबरा मकराना सफेद संगमरमर से ढका हुआ है। इसे राजस्थान से लाया गया था। जिस चीज ने इसकी लागत को बढ़ाया था वह थी 28 अलग–अलग कीमती और अर्ध कीमती पत्थरों की जड़ाई।